rojgar with ankit

RPF SI रेल रक्षक बैच

History Class-11

पाणिनी - अष्टाध्यायी Panini - Ashtadhyayi

प्रथम वैयाकरण

- व्याकरण (Grammar)
- शब्द (words) रचना
- वाक्य (Sentence) रचना

रामायण Ramayana

→ संस्कृत : महर्षि वाल्मीकि
Sanskrit : Maharishi Valmiki

→ अवधी : गोस्वामी तुलसीदास
Awadhi : Goswami Tulsidas → (रामचरितमानस)
⇓
तुलसीदास

→ तमिल : कम्बन
Tamil : Kamban

→ फारसी : बदाँयूनी
Persian : Badayuni
(अकबर)

→ बांग्ला : कृतवास
Bangla : Kritavas

→ अंग्रेजी : आर. टी. एच. ग्रिफिथ
English : R.T.H Griffith

→ बालरामायण : भवभूति
Balaramayana : Bhavabhuti

→ तेलगू : भास्कर Telugu : Bhaskar

→ कन्नड़ : कुमुदेन्दु Kannada : Kumudendu

→ मैथिली - चन्दा झा Maithili - Chanda Jha

श्रीरामचरित मानस - 7 काण्ड — Imp

Shri Ramcharit Manas - 7 Kand

रामचरितमानस
↳ लेखक
तुलसीदास

①	बालकाण्ड	Balkand
②	अयोध्याकाण्ड	Ayodhya kand
③	अरण्यकाण्ड	Aranyakand
④	किष्किंधाकाण्ड	kishkindha kand
⑤	सुंदरकाण्ड	Sunderkand
⑥	लंका काण्ड	Lanka Scandal
⑦	उत्तरकाण्ड	Lanka Scandal

महाभारत : Mahabharata

पुराण 18 - सबसे पुराना पुराण - मत्स्य पुराण - सातवाह
न वंश के बारे में

Purana : 18 - oldest Purana - Matsya Purana -
About Satavahana Dynasty

rojgar with ankit

भगवान विष्णु के 10 अवतार:
10 Avatars of Lord Vishnu

(1) मत्स्य अवतार Matsya Avatar
(2) कूर्मावतार Kurmavatar

महाभारत

- लेखक (writer)
- English translation
  अंग्रेजी अनुवाद → किसारी मोहन गांगुली
- "जयसंहिता" ⇒ महाभारत का अन्य नाम / (पुराना नाम)

⇒ विश्व का सबसे बड़ा महाकाव्य = महाभारत

(3) वराहावतार Varahavatara
(4) नृसिंह अवतार Narasimha Avatar
(5) वामनावतार Vamanavatar
(6) परशुराम Parashuram
(7) श्री रामचन्द्र Shri Ramchandra ji
(8) कृष्ण Krishna
(9) बुद्ध Buddha
(10) कल्कि Kalki

विष्णु पुराण - मौर्यवंश Vishnu Purana - Mauryan Dynasty

वायु पुराण - गुप्त वंश Vayu Purana - Gupta Dynasty

भागवत पुराण - कृष्ण भक्ति Bhagavata Purana - Krishna Bhakti

ज्वालोपनिषद - 4 आश्रम बताए गए हैं
Jvalopanishad - 4 Ashrams are mentioned

1. ब्रह्मचर्य : 0-25 वर्ष Brahmacharya : 0:25 years
2. गृहस्थ : 25-50 वर्ष Householder : 25-50 years
3. वानप्रस्थ : 50-75 वर्ष Vanaprastha : 50-75 years
4. संन्यास : 75-100 वर्ष Sannyas : 75-100 years

नोट : पुराणों के रचयिता लोमहर्ष एवं उनके पुत्र उग्रश्रवा है।

Facts :→ सिंधु घाटी सभ्यता

(1) सिंधु घाटी सभ्यता के समय शिल्प निर्माण के लिए सीप नागेश्वर (गुजरात) से प्राप्त किये जाते थे।

(2) हड़प्पा सभ्यता की अधिकतर मोहरें - सेलखड़ी / (स्टियटाइट)

↓

एक प्रकार का नरम (Soft) पत्थर (Stone)

(3) मोहनजोदड़ो

विशाल स्नानागार
Gneat Bath — आयताकार

ल० ⇒ 11.88m
चौ० ⇒ 7.01 m
गहराई ⇒ 2.43 m



Shape आकृति

⇒ पत्थर (Stone) की नृत्य करते हुए पुरुष की "नटराज" मूर्ति हड़प्पा से मिली है।

⇒ धौलावीरा (गुजरात) ⇒ जलाशयों के साक्ष्य।

⇒ रंगपुर (गुजरात)

⇒ मोहनजोदड़ो का अर्थ - "मृतकों का टीला" - सिंधी भाषा

↳ Meaning

⇒ विष्णु भगवान की पूजा नहीं करते थे। (हड़प्पा लोग)

⇒ हड़प्पा की मुहरों पर अक्सर बैल (Bull) को देखा जाता है।

⇒ शिल्प कला से सम्बंधित स्थल -

(1) बालाकोट → सीप की चूड़िया।

(2) चन्हूदड़ो → वक्राकार ईंट।

(3) नागेश्वर → शंख से बनी चूड़िया।

⇒ मोहन जोदड़ो की सबसे बड़ी ईमारत अन्नागार।

अन्नागार → ल० ⇒ 45.71m
चौ० ⇒ 15.23 m

ASI ⇒ Archaelogical Survey of India)

⇒ सर राबर्ट एरिक मार्टिमर व्हीलर ने 1944 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक (Director General) का पदभार संभाला और हड़प्पा की खुदाई का जिम्मा (Responsibility लिया।

⇒ हिन्दू धर्म में सोम देव को पौधों के स्वामी, रोगों के उपचारक और धन के दाता माना जाता है। ⇒ वैदिक सभ्यता

⇒ वैशेषिक हिन्दू धर्म की प्रमुख दार्शनिक विचारधारा है।

नोट: पुराणो के रचयिता - लोमहर्ष एवं उनके पुत्र उग्रश्रवा

Note:- The Creators of the Puranas - Lomaharsha and his son Ugrashrava

महाजनपद काल - 600 ईसा – 400 ईसा

Mahajanapada period - 600 AD - 400 AD

→ कुल - ग्राम - विश - जन - जनपद - महाजनपद

Total - Village - Vish - Jana - District - Mahajanapada

→ महाजनपद काल – 600 ईसा पूर्व – राज्य की परिभाषा

Mahajanapada period - 600 BC - Definition of State

→ महाजनपदो के बारे में कुछ ग्रंथो से जानकारी मिलती है।

Information about Mahajanpado is auilable from some texts.

→ अंगुत्तर निकाय - बौद्ध धर्म – 16 महाजनपद

Anguttar Nikaya - Buddhism - 16 Mahajanapadas

→ भगवती सूत्र - जैन धर्म – 16 महाजनपद

Bhagwati Sutra - Jainism - 16 Mahajanapadas

→ अष्टाध्यायी – 22 महाजनपद

Ashtadhyayi - 22 Mahajanapadas

16 महाजनपद – 14 (राजतंत्र)

Mahajanapada - 14 (Monarchy)

rojgar with ankit

2 (गणतंत्र) – 1. वज्जि – दुनिया का सबसे पहला गणतंत्र

2. (Republic) – 1. Vajji – the world's first republic

2. मल्ल Mall

महाजनपद Mahajanapada	राजधानी Capital
मगध Magadha	राजगृह / गिरिव्रज / पाटलिपुत्र Rajgriha / Girivraj / Pataliputra
अंग Ang	चम्पा (मालिनी नदी) Champa (Malini River)
कोशल (सरयू) Kosala (Saryu)	साकेत / श्रावस्ती Saket / Shravasti
अवन्ति Avanti	उज्जैन, महिष्मती Ujjain, Mahishmati
गांधार Gandhara	तक्षशिला Taxila
काशी Kashi	वाराणसी (राजा अवश्सेन के पुत्र 23 वें तीर्थंकर) Varanasi (23rd Tirthankara, Son of King Avassen)

rojgar with ankit

पांचाल (गंगा - 2 भागों)
Panchala (Ganga - 2 parts)

अहिच्छत्र, कापित्य
Ahichchhatra kapilya

वज्जि
Vajji

वैशाली (आम्रपाली का सम्बंध)
Vaishali (Affiliation of Amrapali)

कम्बोज
प्रसिद्ध
Kamboj
horses

हाटक (राजापुर) - घोड़ों के लिए
Hatak (Rajapur) - Famous for

अश्मक
Ashmak

प्रतिष्ठान (पैठन)
Pritishthan (Paithan)

मल्ल
Mall

कुशीनगर
Kushinagar

सूरसेन
Sursen

मथुरा
Mathura

मत्स्य
Matsya

विराटनगर
Viratnagar

कुरु
Kuru

इन्द्रप्रस्थ (दिल्ली)
Indraprastha

rojgar with ankit

वत्स Vats	कौशाम्बी Koshamb
चेदी Chedi	शक्तिमती (कलिंग शासक खारवेल का सम्बंध) Shaktimati (Affiliation of kalinga ruler Kharavela)

Note :- दो महाजन ऐसे थे जो वर्तमान भारत की सीमा से बाहर हैं-
कम्बोज, गंधार 16 महाजनपदों में से 8 महाजनपद उत्तर प्रदेश में पड़ते हैं।
16 महाजनपदों में सर्वाधिक शक्तिशाली मगध महाजनपद था। सबसे पूर्वी महाजनपद अंग

Note: There were two Mahajans which are Outside the border of present India - Kamboj, Gandhar 8 out of 16 Mahajanapadas fall in Uttar Pradesh.
Magadha Mahajanapada was the most Powerful of the 16 Mahajanapadas.
Eastern Mahajanapada Anga.